*भारतीय रिज़र्व बैंक और फिनटेक: आगे की राह**

टी. रबी शंकर

नमस्ते

मुझे इंडिया स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव में उपस्थित होकर प्रसन्नता हो रही है। आप सभी भारतीय उद्यमशीलता की भावना का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करते हैं। इस सभा को संबोधित करना मेरा सौभाग्य है। भारत आज सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हमारी आबादी युवा और पर्याप्त रूप से कुशल है, नीतिगत माहौल निजी उद्यम के लिए सहायक है, हमारे पूंजी बाज़ार अच्छे व्यावसायिक योजनाओं को वित्त पोषित करने में सक्षम हैं, दुनिया की नज़र भारत की ओर है - इन सभी कारकों ने कई स्टार्ट-अप को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है जिससे एक मजबूत भारतीय स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हुआ है। फिनटेक संस्थाओं में इस स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र का एक बड़ा हिस्सा शामिल है।

फिनटेक का उद्भव

फिनटेक क्रेडिट, भुगतान प्रणाली, संपत्ति प्रबंधन, निवेश सलाह, बीमा, वित्तीय समावेशन और यहां तक कि वित्तीय क्षेत्र के पर्यवेक्षण सहित सभी क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं के स्वरूप को बदल रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद डिजिटलीकरण में तेजी आई है - प्रौद्योगिकी और वित्त के संयोग ने सुचारु ऋण वितरण, मजबूत 24x7 भुगतान प्रणाली, वित्तीय सेवाओं तक निर्बाध पहुंच और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की सुविधा प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिनटेक द्वारा लाई गई नई और अभिनव प्रौद्योगिकियां लागत को कम करने, उत्पादों और सेवाओं को नए रूप में लाने और ग्राहकों की पहुंच तथा अनुभव में सुधार करने में मदद कर रही हैं। चल रहे विकास, नवाचार, और नई प्रौद्योगिकियों का उद्भव कल की वित्तीय दुनिया में कार्य पद्धतियों को विशिष्ट आकार देगा। वित्तीय प्रणाली के एक प्रमुख विनियामक के रूप में और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के अधिदेश के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक फिनटेक की तेजी से विकसित होती दुनिया पर बारीक नज़र रखे हुए है। वास्तव में, इस उभरते क्षेत्र को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए एक वर्ष से अधिक समय पहले हमने इस क्षेत्र पर विशिष्ट ध्यान देने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक फिनटेक विभाग की स्थापना की थी। मैं आज आपके साथ साझा करना चाहूंगा कि नई और अभिनव प्रौद्योगिकियों को अपनाने और इसके परिणामस्वरूप विनियामकीय क्षेत्र में हुए परिवर्तनों, उपभोक्ता संरक्षण, नवाचार और केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं (सीबीडीसी) जैसे मुद्दों के कारण वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों को रिज़र्व बैंक में हम कैसे देखते हैं।

विनियमन और फिनटेक

हमारा मानना है कि फिनटेक क्षेत्र अधिक वित्तीय समावेशन, लागत और समय दक्षता के उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इसलिए हम एक ऐसी संस्था की भूमिका निभाते हैं जो इस क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करती है। फिनटेक नवाचार को देखने का एक तरीका तीन चर के संदर्भ में है - समय, पहुंच और डेटा। कई नवाचार, सीमित स्वरूप के होते हैं जो समय की बचत करते हैं, अर्थात, लेनदेन को तेज गति के साथ संभव बनाते हैं जैसे कि, त्वरित भुगतान प्रणाली। नवाचार का दूसरा तत्व पहुंच के बारे में है, अर्थात वे उन लोगों को सेवाएं देते हैं जो वित्तीय सेवाओं के संपर्क में नहीं हैं और दोनों अर्थों में समावेश को बढ़ावा देते हैं – समानता के साथ-साथ आर्थिक गतिविधि का औपचारिकरण। नवाचार का तीसरा तत्व डेटा है - नई प्रक्रियाओं को बनाने के लिए उपलब्ध डेटा का उपयोग करना और आगे का डेटा उत्पन्न करना जो आगे नवाचार को प्रोत्साहित कर सकता है - नकदी-प्रवाह आधारित उधार हो सकता है, या क्रेडिट मूल्यांकन के लिए कर डेटा का उपयोग किया जा सकता है। इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, प्रसंस्करण गति और डेटा उपलब्धता ने पिछले एक दशक में वित्तीय नवाचार को काफी बढ़ावा दिया है। ये तीन तत्व हैं जो फिनटेक क्षेत्र में नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं।

यद्यपि ये नवाचार आदर्श परिवर्तन हैं, किंतु वित्तीय उत्पाद वही जो पहले थे। अभी भी जमाराशियां आती हैं, क्रेडिट या उधार अभी भी है, निवेश, व्यक्तिगत निवेश, व्यक्तिगत वित्त, आदि अभी भी हैं। ये वित्तीय उत्पाद बहुत लंबे समय से अस्तित्व में हैं। जो बदलाव आया वह इन उत्पादों को पहुंचाने के तरीकों में है, जैसे कि - डिलीवरी के चैनल, डिलीवरी की गति और इन उत्पादों की कीमत। हम अक्सर सुनते हैं कि ये बदलाव विघटनकारी हैं। जब

* 7 जुलाई 2023 को बेंगलुरु में मनीकंट्रोल इंडिया स्टार्टअप कॉन्क्लेव में उप गवर्नर टी. रबी शंकर द्वारा दिया गया मुख्य भाषण।

हम बदलाव की बात करते हैं तो हम नए उत्पादों की बात नहीं करते, बल्कि मूल रूप से मौजूदा संस्थाओं और प्रक्रियाओं में बदलाव की बात करते हैं। इसलिए, अवधारणात्मक रूप से, ऋण या भुगतान जैसी विशिष्ट बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने वाली एक फिनटेक इकाई बैंकिंग गतिविधि ही कर रही है – किंतु वह कुछ अलग दिखाई देता है। ऐसी संस्थाओं को बैंकिंग लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन उन्हें उसी तरह विनियमित करने की आवश्यकता है जैसे बैंक के संबंध में ऐसी गतिविधियों को विनियमित किया जाता है।

वित्तीय सेवाएं, हालांकि वे सर्वाधिक विनियमित नहीं हैं फिर भी सर्वाधिक विनियमित उद्योगों में से हैं। यह अच्छे कारणों के लिए है - वे वृद्धि और विकास की कुंजी हैं, वे लोक धन का उपयोग विकास कार्य के लिए करते हैं और वे ऐसी मध्यस्थ व्यवस्था हैं जिनके माध्यम से वित्तीय सुदृढ़ता सुनिश्चित की जाती है। इसलिए फिनटेक फर्मों को इसी तरह के विनियामकीय निरीक्षण के अधीन होना चाहिए। बदलती प्रक्रियाओं की गति और जटिलता से निपटने में विनियमन पिछड़ सकता है। समय के साथ विनियामकीय कमी को पूरा कर दिया जाएगा और विनियमन में एकरूपता सुनिश्चित की जाएगी। इससे फिनटेक फर्म दीर्घकालिक व्यापार इकाई के रूप में अधिक स्थिर होंगे यदि वे व्यावसायिक रणनीतियों में बुनियादी आवश्यकता के रूप में विनियामकीय अनुपालन को शामिल करते हैं। नवाचार विनियामकीय मध्यस्थता का लाभ उठाने के लिए नहीं होना चाहिए। उदाहरण के लिए, जब वैश्विक स्तर पर प्राधिकारियों द्वारा क्रिप्टोकरेंसी पर शिकंजा कसा जाता है तो शिकायत होती है कि नवाचार को दबाया जा रहा है। यह वास्तव में सही नहीं है।

निस्संदेह, हम फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र को एक बल गुणक के रूप में कार्य करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में देखते हैं क्योंकि हम वित्तीय समावेशन, डिजिटलीकरण और ग्राहक संरक्षण के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए पोषक वातावरण तैयार करने हेतु अनेक कदम उठाए हैं। 2016 में हमने एकाउंट एग्रीगेटर्स (एए) के लिए, उनकी क्षमता को पहचानते हुए, दिशानिर्देश जारी किए। 2017 में पीयर-टू-पीयर (पी 2 पी) उधार के लिए नियम स्थापित किए, जब यह क्षेत्र भारत में नवजात स्थिति में था। अगस्त 2019 में रिज़र्व बैंक द्वारा जारी विनियामकीय सैंडबॉक्स फ्रेमवर्क का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना था। यह कहा जा सकता है कि विनियामकीय सैंडबॉक्स के संबंध में प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। एक से अधिक वित्तीय विनियामकों के विनियामकीय दायरे में आने वाले हाइब्रिड उत्पादों/सेवाओं के परीक्षण को सुविधाजनक बनाने के लिए एक इंटरऑपरेबल रेग्यूलेटरी सैंडबॉक्स (आईओआरएस) स्थापित किया गया है। नवंबर 2021 में रिज़र्व बैंक ने "स्मार्ट डिजिटल भुगतान" विषय के साथ अपना पहला वैश्विक हैकाथॉन "हारबिंगर" लॉन्च किया। हैकाथॉन को भारत के भीतर की 363 और दुनिया भर के 22 अन्य देशों की टीमों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के साथ उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। अगली कड़ी के रूप में हमने "समावेशी डिजिटल सेवाओं" विषय के साथ दूसरे हैकाथॉन की भी घोषणा की है।

2021 में रिज़र्व बैंक ने वित्तीय संस्थानों, प्रौद्योगिकी उद्योग और शिक्षाविदों के बीच सहयोग के माध्यम से एक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का समर्थन करने के लिए बेंगलुरु में आरबीआईएच नामक अपना स्वयं का इनोवेशन हब स्थापित किया है। आरबीआई और इनोवेशन हब ने मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, यूपी और महाराष्ट्र राज्य में पूरी तरह से डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड ऋण के लिए पायलट प्रयास शुरू किए हैं जिनके माध्यम से ऋण मिनटों में वितरित किए जा रहे हैं। इसी तरह, गुजरात में दूध वितरण के आंकड़ों के आधार पर पूरी तरह से डिजिटल डेयरी ऋण पर पायलट प्रयास शुरू हो गया है।

रिज़र्व बैंक ने रुपी सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पायलट प्रयास शुरू किया है। वर्तमान में 10 बैंक थोक पायलट प्रयास में भाग ले रहे हैं और 13 बैंक खुदरा पायलट प्रयास का हिस्सा हैं। दोनों पायलट प्रयास सफलतापूर्वक चल रहे हैं और हम विभिन्न तकनीकी संरचना, डिजाइन विकल्पों और उपयोग के मामलों का परीक्षण कर पा रहे हैं। 30 जून तक खुदरा पायलट में, हमने एक मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं और 262,000 से अधिक व्यापारियों को शामिल कर लिया था। मुद्रा का डिजिटल रूप कई संभावनाओं को साथ लाता है जो वर्तमान प्रणालियों में ऑफ़लाइन, प्रोग्रामबिलिटी, सीमा पार लेनदेन की विशेषताओं जैसे नवाचार और दक्षता ला सकते हैं और वित्तीय प्रणाली को संचालित करने के लिए पूरी तरह से नए ढांचे बना सकते हैं। मेरा मानना है कि यूपीआई की तरह हम आने वाले दिनों में मुद्रा के इस टोकन रूप पर बहुत सारे नवाचार देखेंगे।

रिज़र्व बैंक इस तथ्य को ध्यान में रखता है कि नवाचार में वित्त को अधिक समावेशी बनाने, वित्तीय प्रणाली को अधिक प्रतिस्पर्धी और स्वस्थ बनाने और विनियमन को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने की क्षमता है। हालांकि नवाचार महत्वपूर्ण है, किंतु इन्हें जिम्मेदार होना चाहिए। इसके फायदे तब अधिक होंगे जब वह लोगों के दिन-प्रतिदिन के जीवन में उनके द्वारा सामना की जाने वाली वास्तविक चुनौतियों को हल करेंगे। इन नवाचारों का आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय और इंटरऑपरेबल होना भी महत्वपूर्ण है, जिससे इनका प्रसारण हो और प्रतिभागियों के व्यापक नेटवर्क को लाभ मिले। इन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए मैं फिनटेक सहभागियों से इस क्षेत्र की स्थिरता के विकास में योगदान करने और जिम्मेदार डिजिटल नवाचारों को सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं। हालांकि अल्पकालिक मूल्य लाभ पर ध्यान केंद्रित करना आकर्षक हो सकता है किंतु दीर्घकालिक मूल्य बनाना मूल लक्ष्य होना चाहिए। फिनटेक कंपनियां कई प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दे सकती हैं, जैसे ग्राहक संरक्षण में सुधार, साइबर सुरक्षा और समुत्थानशीलता बढ़ाना, वित्तीय अखंडता का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना और मजबूत डेटा संरक्षण। फिनटेक उद्योग में प्रत्येक सहभागी के लिए अभिशासन, व्यावसायिक आचरण, अनुपालन और जोखिम शमन ढांचे पर पर्याप्त ध्यान देना भी आवश्यक है क्योंकि ये पहलू दीर्घकालिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मैं इस बात पर जोर देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं कि विनियामकों, फिनटेक उद्योग और स्थापित संस्थानों को चाहिए कि वे खुले और सार्थक संवाद में सहभागी बनें। यह संवाद फिनटेक गतिविधियों, व्यापार मॉडल और विनियामकीय उपायों के पीछे तर्क की साझा समझ स्थापित करने के लिए आवश्यक है। हितधारकों के बीच इस तरह का सहयोग प्रभावी विनियमन सुनिश्चित करने और फिनटेक नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुझे सुनने के लिए आप सभी को धन्यवाद, और सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं।